भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 400

उत्तर देने की तारीख 03 फरवरी, 2021 (बुधवार)

14 माघ, 1942 (शक)

प्रश्न

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में संस्थान

400. श्री इंद्रा हांग सुब्बा:

क्या उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा संस्थानों की स्थापना, उनके संवर्धन एवं विकास हेतु कोई विशेष नीति है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की समृद्ध एवं विविधतापूर्ण परंपराओं, भाषा, संस्कृति एवं जैव-विविधता को सुरक्षित करने एवं उनको बढ़ावा देने हेतु कोई विशेष प्रावधान है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की विविधता एवं समृद्धि जो परंपराओं, भाषा, संस्कृति एवं जैव-विविधता में समृद्ध है, को सुरक्षित करने एवं उनको बढ़ावा देने हेतु कोई विशेष प्रावधान है; और

(ङ) क्या उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में सभी राज्यों में एक-एक केंद्रीय विश्वविद्यालय खोले गए हैं तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) भारत सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने पर ध्यान केन्द्रित किया है। तदनुसार, शिक्षा मंत्रालय ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में तीन भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) की स्थापना की है, जिसमें पहले से मौजूद केंद्र वित्त पोषित उच्च शिक्षण संस्थान अर्थात् 11 केंद्रीय विश्वविद्यालय, 8 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिलांग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी, पूर्वोत्तर विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (एनईआरआईएसटी), अरुणाचल प्रदेश और सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोकराझार शामिल हैं। इसके अलावा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में

पर्यटन मंत्रालय द्वारा गुवाहाटी, असम और शिलांग, मेघालय में आतिथ्य पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए दो केंद्रीय होटल प्रबंधन संस्थान (सीआईएचएम) संचालित **किए जा रहे** हैं।

(ख) से (घ) पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) सामान्य दिशा-निर्देश **2020** के अनुसार पूर्वोत्तर क्षेत्र को बढ़ावा देना केंद्रित क्षेत्रों में से एक है। इसके अलावा, एनईसी आवंटन का **30%** वंचित क्षेत्रों और समाज के **वंचित** वर्गों के विकास के अलावा पूर्वोत्तर क्षेत्र की **भाषाओं**, **संस्कृति**, **जैव-विविधता**, समृद्ध और विविध परंपराओं आदि के केंद्रित विकास के लिए निर्धारित किया गया है । इस वित्त वर्ष में इन क्षेत्रों के लिए **175** करोड़ रुपये की परियोजनाएं पहले ही स्वीकृत की जा चुकी हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र की समृद्ध और विविध परंपराओं और संस्कृति की रक्षा और संवर्धन के लिए संस्कृति मंत्रालय ने दीमापुर, नागालैंड में पूर्वोत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनईजेडसीसी) और कोलकाता में पूर्वी **आंचलिक** सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी) की स्थापना की है। ये केंद्र नियमित आधार पर पूर्वोत्तर क्षेत्र में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। सभी सात **आंचलिक** सांस्कृतिक केंद्र पूर्वोत्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने के लिए "ऑक्टेव" नामक एक उत्सव का आयोजन करते हैं।

(ङ) प्रत्येक पूर्वोत्तर राज्य में एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है जिसमें मणिपुर में तीन और असम में दो हैं।

****